शिष्या स्कूल होसूर

FORMATIVE ASSESSMENT-III 2016-17

विषय ः हिन्दी अंक ः **20**

कक्षा ः दसवीं (X) समय ः **50** मिनट

निर्देश ः सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

क गोपियाँ श्रीकृष्ण के साथ क्या शरारत करती है ? **2**

ख सच्चे मन में राम बसते है दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए। **2**

ग बिहारी ने कौन कौन से बाहरी आडंबर का खण्डन किया है ? 1

घ बिहारी ने ग्रीष्म ऋतु का वर्णन कैसा किया है अपने शब्दों में लिखिए। **5**

ड आशय स्पष्ट कीजिए ः "जपमाला. छापै तिलक सरै न एकौ कामु ।
मन कॉचे नाचे वृथा सॉचे रॉचे रामु"।। **2**

च बिहारी कृष्ण भक्त थे। उनके दोहों में उन्होंने कृष्ण का उल्लेख कहॉ कहॉ किया है स्पष्ट कीजिए । **5**

छ बिहारी ने अपने पिता और श्रीकृष्ण के प्रसंग में क्या बताया है ? 2

ज छॉह किस कारण छाया चाहती है ? 1

शिष्या स्कूल होसूर

FORMATIVE ASSESSMENT -III 2016-17

विषय ः हिन्दी अंक ः **20**

कक्षा ः दसवीं (X) समय ः **50** मिनट

KEY

क गोपियॉं बतरस की लालच में श्रीकृष्ण की मुरली छिपा लेती है। प्रेम भरी बातें करना पूछने पर मना ताकि इसी बहाने उनसे बातें करें। **2**

ख बिहारी राम अर्थात् प्रभु उन लोगों के जिनकी भक्ति सच्ची होती ।बाहरी दिखावा कुछ प्राप्त नही होता ।ये व्यर्थ के प्रयास हैं।**2**

ग जपमाला तिलक छापा आदि धार्मिक आडंबर का खंडन है।**1**

घ ग्रीष्म का वर्णन दो संदभों में पहला भयंकर गर्मी चारों ओर गरमी जंगल के सभी जानवर बेहाल हैं भूख प्यास भूले बैठे शत्रु भाव समाप्त मित्र भाव से इकट्ठे गरमी झेल रहे तपोवन हो गया। दूसरा जेठ मास की गरमी सूरज सिर के ऊपर छायाएँ दुबक कर घने जंगल में आराम कर रही छाया को छॉव की जरूरत ।**5**

ड बिहारी कहते हैं जप करने की माला सारे शरीर पर चंदन का छाप तिलक लगाने से कोई काम नहीं । आशय बाहरी दिखावे से प्रभु भक्ति नहीं व्यर्थ हैं। राम तो सच्ची भक्ति देखकर प्रसन्न होते हैं।**2**

च बिहारी कृष्ण भक्ति तीन जगह उल्लेख किया है पहला श्रीकृष्ण के तन पर पीले वस्त्र फब रहे ऐसे सुशोभित मानोप्रभात काल में नीलमणि पर्वत पर सूर्य की धूप पड रही है। दूसरा गोपियॉं बतरस की लालच में श्रीकृष्ण की मुरली छिपा लेती है। प्रेम भरी बातें करना पूछने पर मना ताकि इसी बहाने उनसे बातें करें। तीसरा कृष्ण कोअपने पिताजी समान और पिताजी को कृष्ण समान बताया है। दोनों से दुख दूर करने की विनती की है।**5**

छ कृष्ण प्रसंग में आप चंद्रवंश में पैदा अपनी इच्छा से मथुरा में आ बसे आप मेरे पिता समान हैं आप मेरा कष्ट दूर करें। पिता प्रसंग में आप केशवराय चंद्रवंश में पैदा अपनी इच्छा से मथुरा में आ बसे आप मेरे भगवान के समान पूज्य हैं आप मेरे दुख हरें ।**2**

ज भीषण गर्मी के कारण छाया भी **1**

1 अंक प्रश्न के उत्तर के लिए कथ्य ☐ अंक भाषा ☐ अंक

2 अंक प्रश्न के उत्तर के लिए कथ्य **1**☐ अंक भाषा ☐ अंक

5 अंक प्रश्न के उत्तर के लिए कथ्य **4** अंक भाषा **1** अंक